पत्रांक–2504 न०वि०एवंआ०वि०

बिहार सरकार

नगर विकास एवं आवास विभाग

प्रेषक,

अमृत लाल मीणा,
प्रधान सचिव।

सेवा में,

नगर आयुक्त,
नगर निगम पूर्णिया

पटना, दिनांक 8/4/16

विषय :– **माह फरवरी 2016 की मासिक समीक्षा टिप्पणी के संबंध में।**

महाशय,

नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा आपके कार्यों की मासिक समीक्षा की जा रही है। माह **फरवरी** तक प्राप्त प्रतिवेदनों की समीक्षा से निम्न तथ्य विदित होते हैं :–

1. **चतुर्थ राज्य वित्त आयोग** :–

(i) चतुर्थ राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत दिनांक 01.04.2015 को आपके नगर निकाय में 1226.29 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2015–16 में **कोई राशि विमुक्त नहीं** हुए। कुल उपलब्ध 1226.29 लाख रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय 759.93 लाख रूपये है, जो मात्र 61.97 प्रतिशत है। स्पष्टतः आपकी उपलब्धि ***संतोषजनक*** है।

2. **13वें वित्त आयोग** :–

(i) 13वें वित्त आयोग के अंतर्गत दिनांक 01.04.2015 को आपके नगर निकाय में 474.63 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2015–16 में 207.28 लाख रूपये विमुक्त हुए। कुल उपलब्ध **681.91 लाख** रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय **560.84** लाख रूपये है, जो मात्र 82.25 प्रतिशत है।

(ii) भौतिक प्रतिवेदन की समीक्षा करने से ज्ञात है कि दिनांक 01.04.2015 को 6 योजनाएं लंबित थी। वर्ष 2015–16 में अब तक 12 योजनाएं ली गयी है। इस प्रकार कुल कार्यरत 18 योजनाओं में से **अभी तक** 15 योजनाएं पूर्ण हुई है। स्पष्टतः आपकी उपलब्धि ***संतोषजनक*** है।

3. **14 वें वित्त आयोग:-**

14 एवं वित्त आयोग के अंतर्गत दिनांक 01.04.2015 को आपके नगर निकाय में 0.00 लाख रूपये उपलब्ध थे । वर्ष 2015-16 में 703.87 लाख रूपये बिमुक्त हुए । कुल

उपलब्ध 703.87 लाख रूपये संसाधनों में से अधतन व्यय 144.72 लाख रुपये हैं ,जो की 20.56 प्रतिशत है | स्पष्टत: आपकी उपलब्धि अत्यन्त निराशाजनक है |

4. <u>राज्य योजना</u> :–

(i) राज्य योजना अंतर्गत दिनांक 01.04.2015 को आपके नगर निकाय में 598.69 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2015–16 में 560.82 लाख रूपये विमुक्त हुए। । कुल उपलब्ध 1159.51 लाख रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय 604.28 लाख रूपये है। जो मात्र 52.12 प्रतिशत है।

(ii) (ii) भौतिक प्रतिवेदन की समीक्षा करने से ज्ञात है कि दिनांक 01.04.2015 को 2 योजनाएं लंबित थी। वर्ष 2015–16 में अब तक 9 योजनाएं ली गयी है। इस प्रकार कुल कार्यरत 11 योजनाओं में से अभी तक 4 योजनाएं पूर्ण हुई है। स्पष्टतः आपकी उपलब्धि ***संतोषजनक*** है।

5. <u>पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि (BRGF)</u> :–

(i) पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि के अंतर्गत दिनांक 01.04.2015 को आपके नगर निकाय में 196.50 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2015–16 में को 0.00 लाख रुपये विमुक्त हुई है । कुल उपलब्ध 196.50 लाख रूपये संसाधनों में से अद्यतन व्यय 145.36 लाख रूपये है, जो मात्र 73.97 प्रतिशत है।

(ii) भौतिक प्रतिवेदन की समीक्षा करने से ज्ञात है कि दिनांक 01.04.2015 को कोई योजनाएं लंबित नहीं थी। वर्ष 2015–16 में अब तक 8 योजनाएं ली गयी है। इस प्रकार कुल कार्यरत 8 योजनाओं में से अभी तक 8 योजनाएं पूर्ण हुई है। स्पष्टतः आपकी उपलब्धि ***संतोषजनक*** है।

7. <u>ठोस अवशिष्ट प्रबंधन</u> :–

(i) आपके शहर में कुल 46 वार्ड हैं, जिसमें से अभी तक 3 वार्डों में डोर–टू–डोर कूड़ा संग्रहण का कार्य हो रहा है।

(ii) सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए यांत्रिकरण पर जोर दिया जा रहा है, लेकिन वांछित संख्या में मशीनों का क्रय नहीं किया गया है। शहर में कार्यरत सफाई कर्मियों की ससमय उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए बायोमिट्रिक हाजिरी व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है, इसका अनुपालन अप्राप्त है। ठोस अवशिष्ट के प्रभावी प्रबंधन एवं निष्पादन के लिए की जा रही कार्रवाई का प्रतिवेदन अपेक्षित है।

8. <u>मुख्यमंत्री स्वच्छता अनुदान</u> :-

मुख्यमंत्री स्वच्छता अनुदान योजना के अंतर्गत दिनांक 01.04.2015 को आपके नगर निकाय में 0.00 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2015–16 में 324.35 लाख रूपये विमुक्त हुए। कुल उपलब्ध 324.35 लाख रूपये संसाधनों में से दूरभाष पर प्राप्त सूचना के अनुसार अद्यतन व्यय 15.00 लाख रुपये है।

9. उपयोगिता प्रमाण पत्र :–

आपके निकाय के विरूद्ध वित्तीय वर्श 2003–04 से 2014–15 तक की अवधि में कुल 11676.55 लाख की राशि विभाग द्वारा आवंटित की गयी थी जिसके आलोक में अभी तक कुल 9527.74 लाख रूपये का उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा की गयी है | आवंटन अप्राप्त होने के कारण दिए गये कुल 7590.36 लाख की सूची में से 2661.79 लाख का उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा नहीं किया गया है|(नगर निकाय पत्रांक 01 (Camp) दिनांक_22.09.14 द्वारा सूचनार्थ|) **नगर निकाय के पत्रांक 1374 दिनांक 06.06.2015 के द्वारा कुल 580.79 लाख की राशि के आवंटन का कोषागार द्वारा प्रमाणित कर अनिकासी प्रमाण पत्र विभाग को प्राप्त एवं विभागीय पत्रांक 2945 दिनांक 26.06.15 के द्वारा AG में समायोजन हेतु भेजा गया है | जिसके विरुद्ध कुल 495.80 लाख का समायोजन किया गया है|**

10. नगर सेवा प्रबंधन :–

आपके शहर से संबंधित इस वित्तीय वर्ष में हेल्पलाईन के माध्यम से 57 जन शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमें से 40 का निराकरण किया गया है, एवं 17 लंबित हैं। स्पष्टतः आपकी उपलब्धि ***संतोषजनक*** है।

11. होल्डिंग टैक्स :– माह फरवरी 2016 का मासिक संग्रहण 43.88 लाख रूपये है, जो की वित्तीय वर्ष की औसत मासिक संग्रहण 18.30 लाख रूपये से 44.50 प्रतिशत अत्यधिक है। चालू वित्तीय वर्ष का वार्षिक औसत मासिक संग्रह 24.71 है | दिनांक 01.04.2015 को होल्डिंग की संख्या 34870 थी एवं अद्यतन तिथि तक 39291 होल्डिंग ही है। होल्डिंग का सर्वेक्षण करके अतिरिक्त होल्डिंग को होल्डिंग टैक्स के दायरे में लाने के लिए किये गये प्रयास जारी रहे।

12. अन्य स्रोतों से कर :–

अन्य स्रोतों से कर वसूली 211.70 लाख रूपये है, जिसमें सुधार लाने का प्रयास करें।

13. स्वच्छ भारत मिशन :–

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2015-16 में दिए गए कुल लक्ष्य 2097 के विरुद्ध आपके निकाय में 2 सामूहिक एवं 40 Public Toilet का निर्माण किया गया है | इस पर जोर दिया जाय।

14. **<u>सबके लिए आवास</u>** :- सबके लिए आवास योजनान्तर्गत आपके नगर निकाय में वितीय वर्ष 2015-16 में कुल प्राप्त आवेदन में से अधतन स्थिति तक जचोपरांत लाभार्थियों की संख्या 1000 है|

15. **<u>पी०एल० खाता</u>:-** दिनांक 01.04.2015 को आपके नगर निकाय के पी० एल० खाते में 3103.41 लाख रूपये उपलब्ध थे। वर्ष 2015–16 में 2643.11 लाख राशि विमुक्त की गई है। इस प्रकार कुल उपलब्ध 5746.52 लाख की राशि में से 2000.73 लाख मात्र राशि का भुगतान किया गया है | शेष 3745.79 लाख की अव्यवहृत अंतिम राशि (Closing Balance) अभी भी मौजूद है जो अत्यंत ही बड़ी राशि है|

निर्देश दिया जाता है कि इस मासिक समीक्षा टिप्पणी में अंकित तथ्यों पर लिखित अनुपालन प्रतिवेदन पत्र निर्गत होने के तीन सप्ताह के अंदर अनिवार्य रूप से विभाग को प्रेषित किया जाय। इस मासिक समीक्षा टिप्पणी को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड किया जा रहा है। साथ ही आपके द्वारा समर्पित किये जा रहे मासिक समीक्षा टिप्पणी का अनुपालन प्रतिवेदन भी वेबसाईट पर अपलोड किया जाएगा।

विश्वासभाजन

6.4.15

(अमृत लाल मीणा),
प्रधान सचिव